धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार II- 108

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

श्री [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

सर्व प्राप्ति र्थ्याव र्त्म्युत्पस्य स्याप्ति। यत्र सर्वं तानगत नुस्ययू पिवी यं सत्ता नविप्राति यस्तं भगाय या सर्वं यं युत्त विप्रानि ग
न क वुक्त का ती निय न स्र न म स्त्रा। वेशायि नकेन न म मू ना स्त्र न ग व नु म ता न वि प्रा प्ति। दर्श स्म सं
वि भगाय या सर्वं दय त्वा प्राप्ति। यत्र का प्रज्ञ न व नु कि त्वि ष का नी या। स्त्र य या य व स्थ म भा चा र त्ता या य ७
वा स्त्र व क्ष स्त्र प्त्यु नि क्ष य का ध्वी। वि य वा य न स्त्र म व व्र ह वा वि सं ता। वा स्त्र प्रा व क त्र त्ता क व ह व नि स्त्र।
य स्म व द्विय नि सा रं ग स्त्र रा य नां म मूर मा य प्र न त्या व ना व झ व व नु न स्त्रा वा म जा य न स्त्र व ड प्रा नि न त्ता प्रा वि स्त्र वि न य रि स्त्र

यं भा स्त्र नि वा ती न व नि। य मा कि न न स्त्र र त प्रा दि स्त न वा वा य क न वा स प्रा कि स्त न वा स्त्र र ता। वि स्त्र न न वा ना स स्त्र न न वा।
द स्त्रा स्त्र स्त्र ल न न वा जि स्त्र स्त्र न न वा। ना य स्त्र ले न वा स्त्र द य स्त्र न न वा। द व वा स्त्र स्त्र ल वा या स्त्र स्त्र न न वा।
ध य प्र ना स्त्र स्त्र न न र्थ्या य द्द वी ज। स्त न वा ध नी भा र वा वा द स्य या द व द न स्त्रा वा नी स्त्र र स्त्र दा वा। वा ला।
द स्त्र स्त्रि नु स्त्र ए वि स्त्र स्त्र का कि ति। भा स्त नि स्त्र न न प्र द न ग स्त्र र कि प्रा प्त। ठ का य स्या र का न्हि र गो वा स्त्र ६
ना य स्त्र वै स्त्र स्त्र स्त्र न ना ज न न ज ना त्र ना प्रा वा नि स्त्र स्त्र य ना त्र य न नु का प्य यी ठ प्रा वा नि न यी ज प्रा वा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र न न।

[illegible]
[illegible]
वि [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गम्भीरावभासःस्तद्भगवन्निर्द्दिष्टमपारमितायां प्रज्ञायां तस्य कश्चित् ... [illegible] ... यथा भगवता मायासाप्रमादिपुरुषस्य तद्यथा
नुत्वङ्कस्मवानां सगवतक्रस्तल
ह्नतविश्वासितायत्रयतायययथाः
... [illegible] ... विशासित्रासोः
तमसाधिपत्यपूर्यथा संतारगम्भनः
सागविक्रमवक्रशातिरयह्नकश्चि
... [illegible] ... तादि ताः ६
वाविकृयातिक्षणीवाक्यसवा
वाद्यविवातानवगावाकश्चि
हमायया प्रज्ञा ... [illegible]
मायप्रवासं क्याहृ त्सप्रवाताताया पारमितायां प्रज्ञ ... [illegible] ... त्वं साद्य यः

... [illegible] ... प्रतिविष्यासितानवेस्तविज्ञ यक्षविशासि ... [illegible] ... काल
... [illegible]
... [illegible]
... [illegible]
... [illegible] ... पारमितायां प्रज्ञ ... [illegible]

क्षितिगर्भेण च महासत्त्वेन ... बोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन ... [illegible] ... बोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन ... [illegible]
[illegible] ... [illegible] ... [illegible]
३ [illegible] ... [illegible] ... [illegible] ८
[illegible] ... [illegible] ... [illegible]
[illegible] ... बोधिसत्त्व ... [illegible] ... बोधिसत्त्व ... [illegible]

[illegible] भगवन्तं ... बोधिसत्त्व ... नमस्कृत्वा ... [illegible] ... एवमाह ... [illegible]
[illegible] ... [illegible] ... बोधिसत्त्व ...
[illegible] ... [illegible] ... [illegible]
[illegible] ... [illegible] ... बोधिसत्त्व ... [illegible]
[illegible] ... [illegible] ... [illegible]

यन्नमः सिंहविक्रीडित तथागताय नमः समितानाम तथागताय नमः स्वयविन्माहैकरराजरत्नतथागताय नमः

समन्तरश्मि वैदूर्यराजतथागताय नमः गतायानमः विद्युत्विन्नतथागताय नमः नमः श्रीविन्नतथागताय नमः वि

ग्। शुद्धवन्तथागताय नमः रत्नकेतुः यन्तथागताय नमः रत्नक्रमुन ध्वजतथागताय नमः कास्यायन १

तथागताय नमः शाक्यमुनि तथाय नायाय्छत्रसम्यांवन्द्र नायालिङ्गव उमनाध्मदात्नथ्यादाद्धराथा

मन्ता समन्तरत्नश्रीगम्भीरमहानादप्रभययाय यत्समन्तप्रभाशानमः इन्द्रध्वजविक्रीनिनाम्धयात्तथागताय नमः समन्तावता

सविक्रीडित संग्रामविजयतथागताय नमः सम्बुद्धेकेतुवरश्रीयतथागताय नमः रत्नालङ्कारराजयतथागताय नमः उर्ध्वविद्

तथागतस्थातसमयतथागताय नमः विष्णुगामिन तथागताय नमः दर्तमाखयायन्नमः नयायानमा

इन्द्रीनाराजयतथागताय नमः सत्यविलोकयन्तथागत सर्वविद्विनिबद्धविविद्धित

युत्तववि नियदितानन्दननि धानव चिन्तसमाविदधनिनाथवाखियध्वव ध्यवल्भियकेतव दध्वशायविद्युत

दीपथ्याध्यानथ्यात तथागताय नमस्त्र यातिनाखि बुधवायथ्यावित्र नायमहानायमहाखैभाबामाविलियदनथ्यागव थ्यामयायप्रवता

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
3 [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

य स्वाहा ॥ अजिताय स्वाहा ॥ अपराजिताय स्वाहा ॥ अमिताभाय स्वाहा ॥ अमितायुर्नाथाय स्वाहा ॥ मारबलप्रमर्दनाय स्वाहा ॥ अजनेयाः
य स्वाहा ॥ अजनेयनाथाय स्वाहा ॥ ज। नाय स्वाहा ॥ विजयाय स्वाहा ॥ जय विजयाय स्वाहा ॥ वज्रधराय स्वाहा ॥ व
श्री ज्रधराय स्वाहा ॥ अकालमृत्युप्रशमनः नाय स्वाहा ॥ ॐ कृष्णमार्जनकर भास्वर स्वाहा ॥ ॐ रत्नोष्णीषाय स्वाहा ॥ १०
हा ॥ ॐ जयन्ते यः स्वाहा ॥ ॐ यूजिते यः स्वाहा ॥ ॐ ह्रूं जय स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं हूं हेमा धनविजयावामायाप्रत्ययाम्ब्रिंदवोऽ
हेमन्ते यः स्वाहा ॥ ॐ आरालिकाय स्वाहा ॥ ॐ वज्रलोऽ स्वाहा ॥ ॐ आरालिके ह्रीः ह्रीं ह्रूं यः स्वाहा ॥ नियतानि नियतवन्दनीयाम्बुतस्य

न स्वाहा सूर्यापि नवाग्रहसुखा अप्युयदा वाऽद्भुतोऽष्ठयामिश्च यक्षरगामिनि वनि मांस रुधिर वजिलनत्वमुष्णवल्लयंदन्तानि विस्याऽप्सरः सुंजय
याऽसुखानाम्पित नवाग्निपुत्रकेशा जितानि स्थानस्वामिनाभ्युविव स्तुता वृत्तन्तरयादानवाऽहतनमुप्यु निमा
याऽगुयनग्रावानेतान्नियमप्राणिनं वृष्टावयुद्धस्याति स्वस्थमवात्मावला किन्नरवज्रापाद्धानि ससवासायपि
पूर्वयति मनऽष्टिला सुमेयपिऊ यापिशीगाऽसु सृष्टिला [illegible] पान: वनिजाकापनक्रामति गुरुस्यादे
क्षनवाऽद नामसमाधिंयुतिलन नायादि [illegible] मवाज्ञद्गवावा नायावनाऽति नवस्वावाविसमासन्हा

[illegible] [illegible]

[illegible] भगवता भाषितमभ्य [illegible] नन्दन्निति॥ [illegible] [illegible] समाप्तः॥ ० ॥

ये धर्मा हेतुप्रभवा हेतुं तेषां तथागतो ह्यवदत् तेषां च यो निरोध एवं वादी महाश्रमणः ॐ [illegible] ॥ १

धर्मरत्न वज्राचार्य कुशा श्री महाविहार II-108